

गुड़ी पडवा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में लोगों ने हद्वि नववर्ष की शुरुआत के प्रतीक **गुड़ी पडवा** के शुभ अवसर को खुशी और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया।

मुख्य बदि:

- नौ दविसीय **चैत्र शुक्ल प्रतपिदा** को भी श्रद्धालु नकिले:
- यह **वकिरम संवत के नववर्ष** की शुरुआत का प्रतीक है जसि **वैदिक [हद्वि] कैलेंडर** के रूप में भी जाना जाता है।
- वकिरम संवत् उस दनि पर आधारति है जब सम्राट वकिरमादतिय ने शकों को हराया, उज्जैन पर आक्रमण कयिा और एक नए युग का आहवान कयिा।
- उनकी देखरेख में, खगोलवदिं ने **चंद्र-सौर प्रणाली** पर आधारति एक नया कैलेंडर बनाया जसिका पालन आज भी भारत के उत्तरी क्षेत्रों में कयिा जाता है।
- यह **चैत्र (हद्वि कैलेंडर का पहला महीना)** में चंद्रमा के बढ़ते चरण (जसिमें चंद्रमा का दृश्य भाग हर रात बड़ा होता जा रहा है) के दौरान पहला दनि है।
- यह **चैत्र (हद्वि कैलेंडर का प्रथम महीना)** में चंद्रमा के बढ़ते चरण/शुक्ल पक्ष (जसिमें चंद्रमा का दृश्य भाग हर रात बड़ा होता जा रहा है) के दौरान प्रथम दनि है।

???? ???? ?? ?????

- **तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक** के लोग नववर्ष को **उगादी** के रूप में मनाते हैं जबकि **महाराष्ट्र तथा गोवा** इस दनि का जश्न **गुड़ी पडवा** के साथ मनाते हैं।
- दोनों त्योहारों/समारोहों में आम प्रथा है कउत्सव में **भोजन मीठे और कडवे मशिरण** से तैयार कयिा जाता है।
- दकषणि में **बेवु-बेला** नामक गुड़ (मीठा) और नीम (कडवा) परोसा जाता है, जो यह दर्शाता है कजिवन सुख तथा दुख का मशिरण है।
- **गुड़ी महाराष्ट्र** के घरों में तैयार की जाने वाली एक गुड़िया है।
 - गुड़ी बनाने के लयि बाँस की छड़ी को हरे या लाल बरोकेड से सजाया जाता है। इस गुड़ी को प्रमुख रूप से घर में या खड़िकी/दरवाजे के बाहर सभी को दखिाने के लयि से रखा जाता है।
- **उगादी** के लयि घरों में दरवाजे **आम के पत्तों** से सजाए जाते हैं, जनिहें **कन्नड में तोरणालु या तोरण** कहा जाता है।